पाठ ६३

1. यिशुकहां आपन बच्चाबच्ची ल्यावेला आदमीसबके यिशुके चेलासब काहे डांटलन ?
   - चेलासब सोचल कि यिशु बच्चाबच्चीसबसे ना उलझना चाही ।
2. का यिशु सब बच्चाबच्चीसबके प्रेम करेला ?
   - हां ।
3. का बच्चाबच्चीसब भि पाप मृत्यु आ शैतानके शक्तिसे बचावेले जरुरी रहे ?
   - हां ।
4. यिशु छोटा बालक जइसन ना बनेला त कउनो भि स्वरगके राज्यमे घुसे ना सकेला कहलनके अर्थ कथी ह ?
   - यिशुके मतबल यिहे ह कि यदि हमनी परमेश्वरमे निर्दोष बालक जइसन विश्वास ना करेला त हमनि बचावेलाके नइखे सकी ।
5. बालकके जइसन विश्वास कहेलाके मतबल कथी ह ?
   - बलकके विश्वास पुर्ण रुपसे होवेला ।
   - बालकके विश्वास पुर्ण रुपसे ओकर हृदयसे निकलेला ।
6. ऊ धनी युवा यिशुके करेवाला प्रश्न कथी रहे ?
   - अनन्त जीवन पाएलाके निमित्त ऊकराके कथी करेके परी ।

7. यिशु व जवानके ऊ काहे यिशुके अच्छा कहलन कहके पुछलन ?

- ओकराके बाद वहां परमेश्वरसे ज्यादा अच्छा अउरो कउनो भि नइखे कहलन ।

8. का यिशु आपनके अच्छा बा कहके स्विकार करलन ?

- ना ।

9. का यिशु वहां परमेश्वर बा कहके अस्विकार करतरनी ?

- ना ।

10. वइसने यिशु काहे ऊ बात कहलन त ?

- यिशु ऊ जवानके आदमीसब पापमे जन्मेला त पूर्ण अच्छा ना होवेला कहके सिखावेलाके चाहनी ।
- यिशु ऊ युवाके ए भि सिखावेलाके चाहनी कि परमेश्वर सिर्फ पाप ना कइलन आ वहां सिर्फ अच्छा बा ।

11. ऊ धनी जवानके काहे लगलन कि ऊ अनन्त जीवन पाए सकेला ?

- ऊ धनी युवाके अच्छा काम खराब कामके साफ ना करसकेला कहके थाहा नइखे ।

12. ऊ धनी जवान ना बुझ सकेला बात कथी रहे ?

- धनी जवान यि बात ना बुझ सकेला कि यदि ऊ बाहरसे परमेश्वरके सब आज्ञा पालन कइल त पर भि ओकराके भितर हृद्‌य परमेश्वरके सब आज्ञा भङ्‌ग करतनरी ।

13. ऊ धनी जवान काहे दुखी भइलाके गइल ?
    - काहेकि ऊ बहुत धनी रहलनस ।
    - काहेकि ऊ आपन ऊ धन गुमाएलाके नइखे चाही ।

14. कउनो सिर्फ एक बार जउन हमनीके हमर खराब हृदयसे बचा सकेला ?
    - यिशु ख्रीष्ट ।

- काहेकि युश सब आदमीके हृदय थाहा रहे त वहां आदमीसबके लोभके बारेमे सिखावलरनी ।

लुका १२:१५ पढलजाइ

अउर यिशु उनकरा लोगसे कहलन सावधान रहिअ । अउर सब किसिमके लोगनसे अपनाके बचावेले रहिएन जा । काहेकि केहुके जिन्दगी ओकराके जीवनसे बढता ना हो जावला ।

1. आदमीसब काहे लालची रहे ?

- काहेकि ओकुनीसब पापमे जनमल रहे ।
- काहेकि ओकुनीसब आपन संगे जथी नइखे वही मागेला ।
- संसारमे सबसे ज्यादा आदमीसब आफनसंगे बहुत धनसम्पति हो कहके चाहनी ।

- संसारमे सबसे ज्यादा आदमीसब परमेश्वरसे ज्यादा धनसम्पत्ति चाहनी ।
- बहुत आदमीसब दोसरके सम्पत्ति दिखेला आ ऊ चिज आपनके निमित्त चाहेला ।
- बहुत आदमीसब आपनसंगे बहुत सम्पत्ति आ धन बा त खुश होवेला कहके सोचेला ।

2. यदि कउनो आदमीसँगे संसारके सब धन होवेला त का ऊ धन ओकराके अनन्त आगके दहमे जावेसे रोक सकेला ?
    - ना ।
3. का हमर जीवन धन सम्पत्तिके प्रचूरतामे हवेके परी ?
    - ना ।
4. का हमनीके धनसम्पत्ति पाप मृत्यु आ शैतानके शक्तिसे बचावेके सकेला ?
    - ना ।
    - आदमीसब बुझगेल कहके यिशु ओकुनीसबके एगो दृष्टान्त कहलन ।

लुका १२:१६-१९ पढलजाइ ।

युशु उनकरा लोगसे एवो दृष्टान्त कहलन । कउनो धनीके जमिनमे धेर उपज भइल । तब ऊ अपना मनमे विचार करके कहलस कि हम का करी । काहेकि हमरा इहा जगा नइखे । जहाँ अपना उपज आडके रखी । अउर ऊ कहलन हम यी करव कि अपना कोठिला तुरके ओकराके बड बनाइल । अउर वहाँ

अपना सब अन्न अउर धन दौलतके रख अउर अपना परान से कह कि परान तोहरा खातिर ढेर साल खातिर ढेर धन दौलत रखल बा । आराम कर ह खा पि ह । अउर मजा उडाव ।

5. यिशु एगो धनी किसानके दृष्टान्त कहलन ?
    - कउनो वरष ऊ धनी किसानके जमिनमे बहुत अनाज उब्जल कि वहां राखेके निमित्त जगा हि ना रहे ।
    - धनी किसान सोचलन कि ऊ अनाज राखेके निमित्त बड्का धनसार बनावेला आ ऊ सब अनाज वहाँ राखेला आ ओकराके बाँकी जीवनमे कउनो काम ना करेला ।
    - काहेकि धनी किसान सोचलन कि ओकराके सँगे बहुत धन बा आ ओकराके कउनो समस्या होवेवाला नइखे ।
    - काहेकि धनी किसानके लागल कि ओकराके सँगे बहुत धन बा आ ऊकरसँगे हरजिज बा ।
    - काहेकि धनी किसानके लागकि ओकराके सँगे बहुत धन बा आ परमेश्वरके बारेमे भुलके ऊ आपन तरिकासे जीवन जिएला ।
6. यद्यपि धनी किसान परमेश्वरके भुलगेल बाकी का परमेश्वर ओकराके भुलगेल ?
    - ना ।
7. ओकराके बाद ऊ धनी किसानके कथी भेल कहके यिशु कहलन ?

लुका १२:२० पढलजाइ ।

बाँकी परमेश्वर ओकरासे कहलन हे मूर्ख यहि रात तोहरा परान तोहरासे ले लिअल जावो । त जउन तु इकठ्टा कइल बाडे ऊ केकर होइ ।

8. ऊ धनी किसानके कथी भइल ?
   - परमेश्वर ओकराके प्राण लिअल ।
9. ऊ मानिसके प्राण लिएलाके निर्णय कउन कइल ?
   - परमेश्वर अकेले ।
10. सब आदमीसबके मरेला दिनके तय कउन करेला ?
   - परमेश्वर अकेले ।
11. ऊ धनी किसानके बहुत सारा धन का का भइल ?
   - कोइ दोसरके निमित्त खाएलाके देलन ।
12. परमेश्वर काहे ऊ धनी किसानके मूर्ख कहलन ?
   - काहेकि ऊ धनी आदमीके लगलन कि परमेश्वर ओकराके भुलेला आ ऊ आपन तरिकेसे जिएला ।
13. का ऊ धनी किसानके बहुत धन ओकराके बचाइल ?
   - ना ।
14. का ऊ धनी किसानसँगे सब चिजसब रहे ?
   - ना ।
15. यद्यपि ऊ धनी किसानसंगे बहुत धनसम्पत्ति रहे लेकिन ओकरासँगे कउन चिज ना इखे ?

- अनन्त जीवन नइखे ।

16. यी दृष्टान्त कहेलाके बाद यिशु कथी कहलन ?

लुका १२:२१ पढलजाइ ।

अइसही ऊ लोग भि हवन जो अपना खातिर धनदौलत बटोरेलन अउर परमेश्वरके नजरमे धनी ना हवन ।

- यिशु कहलन कि अगर हमनी धनसम्पत्ति थोपर के राखेला आ परमेश्वरमे चाहिं धनी ना भइला त हमनी आत्मिक मृत्युमे जाइला ।

17. धन सम्पत्ति से ज्यादा जरूरी बात कथी ह ?

- परमेश्वरमे विश्वास आ अनन्त जीवन के प्राप्ती ।

18. ओकराके बाद यिशु दोसर कथा कहलन ?

लुका १६:१९-२१ पढलजाइ

एगो धनी आदमी रहे जउन बैजनी कपडा अउर मलमल पहिनलन । अउर रोजरोज सुखबिलास अउर धुमधामके साथ रहथ रहे । अउर लाजर नामके एगो गरिब घाउसे भरल व धनीके जब उतरापर छोड दिलजात रहे अउर ऊ चाहत रहे कि धनीके मेच परसे जुठनसे अपन पेट भरजाइ पर कुकुरन भि आके ओकर घाव चातटरहलन स ।

19. धनी किसान आ लाजरसके कथा कइसन साँच ह कहके हमनी जनेला ?

- काहेकि यी दु आदमी साँचमे यी धरतिमे बाँचलरहेला ।

20. यी कथाके दु आदमीसब कउन रहे ?

- एक गरीब आ दोसर चाहिं गरीब ।

21. गरीब आदमीके नाम कथी रहे ?

- लाजरस ।
- यी लाजरस यिशु मरलरहेसे जगाएवाला लाजरस नइखे ।

22. यी दु आदमीमेसे कउन बहुत आशिषित रहे ?

23. का धनी आदमी ओकर चाहेजइसन खाइला आ लगाइलाके कारणसे बहुत आशिषित रहे ?

24. लाजरस जउन बिमार रहे आ खाएके निमित्त खाना ना रहे ऊ ज्यादा आशिषित रहे ?

- सायद अपने कहेला कि धनी आदमी लेकिन कथा अभिन भि बाँकी बा ।
- यिशु यी दो आदमीके का भइल कहके का कहलन पढलजाइ ।

आवलजावो लुका १६:२२ पढलजाइ

अउर अइसन भइल कि ऊ गरीब मर गइल । अउर इब्राहिमके गोदीमे पहुचलन । अउर ऊ धनी भी मरल अउर गाडलगइल ।

25. जब ऊ गरीब लाजरस मरगेल त कथी भइल ?

- स्वरगदूतसब आइल आ ओकराके परमेश्वर आ अब्राहामसँगे स्वरगमे लेलिअल ।

26. धनी आदमीके कथी भइल ?

27. का धनी आदमीके धन ओकराके मरेलासे रोकल ?

- ना ।

28. धनि आदमी मरेलाके बाद कहां गइल ?

लुका १६:२३ पढलजाइ

अउर अधलोकमे ऊ पीडामे पडल । अपन आँख उठवलन अउर दुरेसे इब्राहिमके गोदीमे लाजरके देखलन ।

29. धनी आदमी मरेलाके बाद कहां गइल ?

- नरकमे जहाँ आग आ आत्मिक आगके दण्ड भोगेके परी ।

30. जब कउन मरेला तब ओकराके आत्मा कहाँ गइला ?

- या सिधा स्वरगमे परमेश्वरससंगे या सिधा नरकेमे जहां आग आ आत्मिक दण्ड भोगेके परेला ।
- कउन आदमीसब कहलन कि आदमी मरेलाके बाद ओकर आत्मा पृथ्वीमे हि भटकजाएला ।
- यी शैतान फेलाएवाला झूठ बा ।
- कउनो आदमीसब कहलक कि आदमी मरेलाके त ओकर आत्मा स्वरग आ पृथ्वीके बीचके प्रतीक्षा करेवाला क्षेत्रमे गइला ।
- यी भि शैतान फैलाएवाला झूठ बा ।

31. का पृथ्वी आ स्वरगके बीचमे कउनो प्रतीक्षा क्षेत्र बा ?

- ना ।

- कउनो आदमीसब कहलन कि ओकुनीसब ओकुनीसबके पुरखाके स्वर सुनलरहे आ मरगेला आदमीसबके सन्देश प्राप्त करगेला ।
- यी भि शैतान फैलाएवाला झूठ बा ।
- आदमी सुनेवाला आवाज आ सन्देश त केवल शेतान या ओकराके सहयोगसबसे आइला ।
- जब एगो आदमी मरेला तब ओकर आत्मा या सिधा परमेश्वर केहां गइला या त नर्कमे गइला ।
- लाजरस मरगेल आ ओकरा आत्मा सिधा परमेश्वरसंगे स्वरगमे गइला ।
- धनी मानिस मरगेल आ ओकर आत्मा सिधा नरकमे गइला जहाँ आग आ आत्मिक दण्ड बा ।
- ओकराके बाद धनी आदमी अब्राहामसँगे बात करल ।

आवलजावो लूका १६:२४ पढलजाइ

अउर ऊ पुकारके कहलन । हे बाप इब्राहिम हमरापर दया करके लाजरके भेजदिहन । ताकि ऊ आपनअउरीके छोर भिगाके हमरा जिभके ठन्डा कर जा काहेकि हम आगमे तडप रहल बानी ।

32. पहिल धनी आदमी अब्राहामसे कथी पुछलन ?
    - ऊ अब्राहामसँगे लाजरसके आपनसंगे भेजदेल कहलन ताकि ऊ शीतल पानीमे अपन अङ्गुठा छुवाके थोर पानी

ओकराके दिहलन आ ओकरा जीभ थोर राहत पावलजाइ।

33. काहे ?

- केहेकि ऊ धनी आदमी आगके ज्वालामे जलतरनी ।

34. ऊ सब जउन परमेश्वरमे विश्वास ना करेला त मरेलाके बाद कहां जाइला ?

- नरकमे, आगके आत्मकि दण्ड बा ।
- परमेश्वर पापके घृणा करेला आ सब पापके दण्ड मृत्यु दिएला ।

35. अब्राहाम कथी कहलन ?

लुका १६:२५ पढलजाइ

पर इब्राहिम कहलन हे बेटा याद कर कि तु अपना जिन्नगीमे सब निमन चिज ले चुकल बाड वइसहे लाजर सब खराब चिज बाँकी अ ऊ यहाँ शान्ति पा रहल बा । अउर तु तडपरहल बाड।

36. अब्राहाम का जवाफ देलन ?

- अब्राहाम ऊ आदमीके जवाफ दिअलन कि जब ऊ आदमी धरतीमे जीवित रहेला त ऊ सुविधामे रहेला लेकिन अब ऊ सास्ती खेपेलाके परी ।

37. लाजरस काहे स्वरगमे गइल ?

- काहेकि लाजरस परमेश्वरमे विश्वास कइल ।
- लाजरसके ऊ पापमे जनमल रहे कहके थाहा रहे ।

- लाजरसके परमेश्वर सब पापके दण्ड मृत्यु दिएला कहके थाहा रहे ।
- लाजरसके परमेश्वर उद्धारके निमित्त उद्धारकर्ता भेजेला कहके थाहा रहे ।

38. जउन सब आदमीसब जउन परमेश्वरमे विश्वास करेला ओकुनीसब जब मरेला त तब कहां जाएला ?
    - परमेश्वरसंगे रहेलाके निमित्त स्वरगमे ।

39. का धनी आदमी धनी भइलाके कारणसे नरकमे गइलरहे ?
    - ना ।

40. वइसने त धनी आदमी काहे नरके गइल रहे त ?
    - काहेकि धनी आदमी परमेश्वरमे विश्वास करेलाके इन्कार कइल ?।
    - धनी आदमी ऊ पापमे जन्मल रहे कहके स्वीकार ना कइल ।
    - धनी आदमी परमेश्वर सब पापके दण्ड मृत्यु दिएला कहके ना विश्वास कइल ।
    - धनी आदमी ओकर निमित्त उद्धारकर्ताके जरुरी बा कहके विश्वास ना कइल ।
    - धनी आदमी केवल ओकर धनके निमित्त सिर्फ बाँचेला ।

41. अब्रहाम ऊ धनी आदमीके अउर थप कथी कहलन ?

आवलजावो लुका १६:२६ पद पढलजाइ

अउर ए सब बातके छोड हमरा अउर तोरहा बीच एगो बड्का डहरा खडावल गइल बा । जे एयासे व पार तोहरा लगे जाए चाहे ऊ लोग ना जा सकेला अउर केहु वासे इह पार आवेके चाहे त नासकेला ।

- अब्राहाम कहलन कि स्वरग आ नरकके बीचमे वहां बहुत बडका खाइ रहेला त कउन भि ओकर पार करेके नइखे सकी ।

42. का कउनो आदमी जो एगोबार नरकमे परेला त ऊ वहांसे उम्केलाके सकहिनस ?

- ना ।
- जब आदमी मरेला आ आत्मिक दण्डके अग्निमे परेला ओकराके बाद ओकराके वहांसे उम्केलाके कउनो रास्ता ना होवेला ।
- जब आदमी मरेला आ आत्मिक दण्डके आगमे परेला त ऊ वहां सदासदाके निमित्त परेला ।
- यदि अपने परमेश्वरके वचन सुनेलाके इन्कार करेला त अपने आत्मिक दण्डके जगामे गइला ।
- यदि अपने परमेश्वरके वचन सुनेलाके इन्कार करेला त अपने आत्मिक दण्डके जगामे सदासदानके निमित्त गइला ।

43. ओकराके वाद ऊ धनी आदमी अब्राहामके दोसर प्रश्न कइल ?

लुका १६:२७-२८ पढलजाइ ।

धनी कहलस कि हे प्रभु हम रहुवासे बिन्ती कर त नी कि निरववा लाजरके हमरा बापके घर भेजदी । काहेकि हमर पाँच गो भाइ बाडन स । ऊ उनकरा लोगके सामने ए बातके खवर दार करहेहन अइसन ना हो व खे कि उहो ए पीडाके जगामे आवस ।

44. दोसर धनी आदमी अब्राहाके कथी पुछलन ?
    - धनी आदमी कहलन कि लाजरस जा के एगोबार ओकर भाइसबके कहलदेवो ताकि ओकर भाइसब ऊ भोगेला जइसने कष्ट ना भोगेके परी ।
    - यद्‌यपि धनी आदमी वहां बहुत सङ्कटमे रहे त पर भि ऊ अभिन भि आपन भाइसबके याद करत रनी ।
45. नरकमे का ऊ धनी आदमी अब्राहामसे खाना या कम्बल मागतरनी ?
    - ना ।
46. नरकमे का ऊ धनी आदमी अब्राहामसँगे मुर्खी या बकरीके रगत मागतरनी ?
    - ना ।
    - शैतान आ ओकर सहयोगीसब बहुत आदमीके छल करतरनी ।
    - बहुत आदमीके लागेला कि मरेला आदमीसब के खाना या कम्बल या मुर्गी या बकराके खुन चाहेला ।

- ऊ शैतान फेलाएवाला झूठ बा ।
- धनी आदमी लाजरस एगोबार धर्तिमे जाके आपन भाइसबके याद करावो कि ओकुनीसब कहियो ना अन्त होवेवाला दण्डमे परेलाके नइखे परी कहके ऊ चाहतरनी।

47. ओकरारके बाद अब्राहाम ऊ धनी आदमीके कथी कहलन ?

लुका १६:२९ पढलजाइ ।

इब्राहिम धनीसे कहलन । कि उननी लगे त मोसा अउर नवीसबके सब किताब बा । उनहनीके उनकर सुनस

- अब्राहाम ऊ धनी आदमीसे कहलन कि ओकराके भाइसँगे मोसा आ अगमवक्तासब रहे आ ओकुनीसब मोसा आ नवीसबके बात सुनके परी ।

48. धनी आदमीके भाइसंगे मुसा आ नवीसब हरेला कहके अब्राहाम कथी कहलन रहे ?

- अब्राहाम यहि कहलन रहे कि ऊ धनी आदमीके भाइसबसँगे मोसा आ अउरो नवीसब द्वारा लिखलरहे परमेश्वरके वचनसब रहे ।

49. अब्राहाम ऊ धनी आदमीके ओकराके भाइसबके कथी करेके परी कहलन स ?

- यिहे कि ओकुनीसब परमेश्वरके वचन सुनेलाके परी ।
- यदि हमनी परमेश्वरके वचन सुनल आ ऊ वचनमे विश्वास कइल त हमनी अनन्त आगके दण्ड दिएवाला जगामे जाइके नइखे परी ।

50. ओकराके बाद धनी आदमी कथी कहलन ?

लुका १६:३० पद पढलजाइ

धनी कहलस कि ना हे बाप इब्राहिम पर जदि केहु मरलामे से उनकरा लगे जाइ त ऊ लोग मन फरिइएहे ।

- अगर मरेवालासबसे कउनो आदमी जा के ओकराके भाइसबके चेता देहल त ओकुनीसब पश्चात्ताप कइके हरे कहेके ऊ आदमी कहलन ।

51. ओकराके बाद ऊ आदमी कथी कहलन ?

लुका १६:३१ पढलजाइ ।

ऊ ओकरासे कहलन । जब उननीके मुसा अउर नवीके ना सुनलन स त मरलोमेसे कोइ जि उठके गइल त बहु उनकर ना मन लइसह ।

52. ऊ धनी आदमीके अब्राहाम कथी कहलन ?

- अब्राहाम कहलन कि यदि ओकराके भाइसब परमेश्वरके वचन ना सुनेला त यदि कउन मरेवालामेसे जा के कहल त पर भि ओकुनीसब विश्वास करेवाला नइखे ।

53. यदि हमनी ना सुनल त परमेश्वरके वचनमे विश्वास ना करल त ऊ बाहेकके कउनो रास्ता रहे जे हमनीके बचावेलाके सकेला ?

- ना ।